

गया हो 4. जिसका क्रम निरंतर बना रहे, निरंतर, लगातार 5. अखंडित, अटूट 6. असीम, अमर्यादित 7. बहुत ज्यादा, अत्यधिक।

अनवट पुं. (देश.) 1. पैर के अंगूठे में पहनने का एक प्रकार का छल्ला 2. कोल्हू के बैल की अँधौटी।

अनवद्य वि. (तत्.) जो अवद्य अर्थात् निंदनीय या दोषपूर्ण न हो, अनिंद्य, निर्दोष।

अनवधान पुं. (तत्.) अवधान-रहित, असावधान।
inattentive

अनवधानता स्त्री. (तत्.) असावधानी, लापरवाही, ध्यान न दिया जाना, प्रमाद, गफलत inadvertence

अनवधानता वश क्रि.वि. (तत्.) (किसी काम को करने में) पर्याप्त ध्यान दिए बिना, असावधानी से।

अनवधि क्रि.वि. (तत्.) जिसकी कोई (निश्चित) अवधि न हो, निरंतर, सदैव, हमेशा जो अवधि-विशेष तक सीमित न हो, निरवधि।

अनवर वि. (तत्.) जो अवर, कनिष्ठ या निकृष्ट न हो, श्रेष्ठ, बड़ा वि. (अर.) चमकीला, शोभायमान।

अनवरत क्रि.वि. (तत्.) 1. अवहति अर्थात् विराम के बिना निरंतर, सतत, अजस्र, लगातार 2. सदैव, हमेशा।

अनवरुद्ध वि. (तत्.) जो अवरुद्ध न हो, बिना रोक टोक का मुक्त विलो. अवरुद्ध।

अनवरोध वि. (तत्.) किसी अवरोध रोक या बाधा के बिना, अबाध, निरंतर पुं. (तत्.) अवरोध का अभाव।

अनवलंब वि. (तत्.) बिना अवलंब का, बेसहारा, निराश्रय, बे-आसरा, बिना किसी टेक का पुं. स्वतंत्रता।

अनवलंबित वि. (तत्.) आश्रयहीन, बेसहारा; निराधार।

अनवशेषित वि. (तत्.) 1. जो अवशेषित न हुआ हो 2. जो सोखा न गया हो 3. जो किसी में विलीन न हो गया हो 4. जो खपा न हो या खपाया न गया हो।

अनवसर पुं. (तत्.) 1. अनवकाश, फुरसत का समय न होना 2. कुसमय, गलत समय।

अनवसान वि. (तत्.) 1. अंतरहित 2. असमाप्त अमृत।

अनवसित वि. (तत्.) 1. जिसका अवसान न हुआ हो, असमाप्त 2. जो अस्त न हुआ हो, जो अब भी प्रवृत्त हो 3. जो पूरा न हुआ हो।

अनवसिता स्त्री. (तत्.) 1. न रुकने वाली, निरंतर चलती रहने वाली छंद एक समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः नगण, यगण, भगण और दो गुरु (न य म ग ग) के योग से 11 वर्ण होते हैं।

अनवस्कर वि. (तत्.) जिसके अवस्कर अर्थात् मल न हो, मलरहित, स्वच्छ।

अनवस्थ वि. (तत्.) 1. जो स्थिर न हो, अस्थिर 2. अटढ़ 3. चंचल।

अनवस्था स्त्री. (तत्.) 1. अव्यवस्था, अनियमितता 2. कार्य-कारण (अंडे से मुर्गी या मुर्गी से अंडा) की ऐसी अतिव्याप्ति जिसका अंतिम समाधान असंभव हो 3. व्याकुलता, आतुरता, अधीरता।

अनवस्था दोष पुं. (तत्.) एक तर्क दोष, कार्य करण की ऐसी परम्परा जिसमें हर कारण का पूर्व कारण पूछते-पूछते कहीं अंत न होने की अवस्था आ जाती है।

अनवस्थान वि. (तत्.) 1. अस्थिरता, अनिश्चितता 2. आचरण भ्रष्टता 3. एक ही स्थान पर स्थिर न रहने वाली वायु।

अनवस्थित वि. (तत्.) 1. अस्थिर 2. परिवर्तनशील 3. अव्यवस्थित 4. अशांत 5. अधीर, उद्विग्न 6. असंयत 7. अनियंत्रित 8. निराधार, निरालम्ब।

अनवस्थित चित्त वि. (तत्.) 1. अस्थिर चित्त वाला। 2. चंचल बुद्धिवाला 3. जिसका मन एक जगह या कार्य पर न लगे।

अनवहित वि. (तत्.) अवधान-रहित, असावधान।